

अवतार लो प्रभु आके धरती पर पाप बढ़त जावे.....

अवतार लो प्रभु आके धरती पर पाप बढ़त जावे.....

आजकल की बहू बेटियां,
खोले सर को ढके नहीं चुटिया,
अरे अब उल्टा पल्ला डाल के धरती पर लटका जावे,
अवतार लो प्रभु आके धरती पर पाप बढ़त जावे.....

आजकल के बहू और बेटा,
मात पिता को दे दे धक्का,
अरे अब रोज ही पिक्चर जात हैं सौ सौ के टिकट कटावे,
अवतार लो प्रभु आके धरती पर पाप बढ़त जावे.....

जुल मिल पंचम सभा बनाई,
करके चंदा पैसा ऊघाई,
आजकल के सरपंचम के आगे परमेश्वर भी डरपत है,
अवतार लो प्रभु आके धरती पर पाप बढ़त है.....

बहन बहन जी को कोई न पूछे,
साली साली घर में रहते,
नारी पति पर हुकम चलात हैं खुद पलके पे सोवत है,
अवतार लो प्रभु आके धरती पर पाप बढ़त है.....

अपना वचन दिया है सुनाई,
पाप का घड़ा भरा है जाई,
अरे अब सहज ही देओ उतार नहीं तो सिर पर ही फुटत है,
अवतार लो प्रभु आके धरती पर पाप बढ़त है.....

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/28492/title/avtar-lo-prabhu-aake-dharti-par-paap-badat-jave>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |